TEACHER'S HANDBOOK

हिंदी व्याकरण–5

उत्तर पुस्तिका

FRANKLIN

सृष्टि हिन्दी व्याकरण-5

PART - 5

Ch-1 (भाषा , रूप तथा इकाइयाँ)

क- मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। वह जिस समाज में रहता है उसमें अपनी बातचीत और विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए जिस माध्यम का प्रयोग करता है वह भाषा कहलाती है।

ख- भाषा के सांकेतिक और मौखिक रूप का प्रचलन सबसे पहले हुआ।

ग- नहीं, सांकेतिक भाषा को मान्यता प्राप्त नहीं है।

घ- साहित्य के दो रूप है- गद्य एवं पद्य।

1. क- भाषा वह माध्यम है जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों और सुझावों को लिखित एवं मौखिक रूप में अभिव्यक्त कर सकता है भाषा कहलाता है। भाषा के अल्पविकसित रूप को बोली कहा जाता है। जहा एक और भाषा का स्तर व्यापक होता है वहीं बोली का स्तर और क्षेत्र सिमित होता है।
   ख- अपने परिवार में बोली जाने वाली सर्वप्रथम भाषा बच्चा जो सीखता/बोलता वहीं उसकी मातृभाषा कहलाती है। बच्चा यह भाषा सबसे पहले अपने परिवार से ही सीखता है।
   ग- मुख से निकली ध्वनियों को लिखने की विधा लिपि कहलाती है।
   घ- हमें व्याकरण की आवश्यकता इसलिए है क्यूंकि लिखते,बोलते,पढ़ते समय हम भाषा के शुद्ध एवं अशुद्ध रूप का ज्ञान समझने का ज्ञान व्याकरण ही करवाता है।
2. क- सही ख- गलत ग- सही घ- सही ङ- सही
3. क- मानक भाषा ख- देवनागरी ग- हिंदी और अंग्रेजी घ- मातृभाषा
4. Do it yourself.
5. असमिया, उड़िया, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, गुजराती, डोगरी, तमिल, तेलुगू, नेपाली, पंजाबी, बांग्ला, बोड़ो, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, मैथिली, संथाली, संस्कृत, सिंधी, हिंदी
6. Do it yourself

Ch-2 (वर्ण विचार)

क- भाषा की वह सबसे छोटी इकाई जिसके टुकड़े नहीं किये जा सकते वर्ण कहलाती है।

ख- हिंदी में स्वरों की संख्या 11 है।

ग- स्वर के तीन भेद है- हस्व,दीर्घ, प्लुत। हस्व स्वर- अ,इ,उ दीघर स्वर- आ,ई,औ प्लुत स्वर- ओ३म

घ- व्यंजन तीन प्रकार के होते है- स्पर्श, अंत:स्थ, उष्म व्यंजन।

1. क- जब किन्ही दो व्यंजनों के समावेश से कोई तीसरा व्यंजन का निर्माण किया जाता है तो वह संयुक्त व्यंजन कहलाता है।

   ख- जब एक व्यंजन की ध्वनि स्वर रहित और दूसरी ध्वनि स्वर सहित उच्चारित होती है तो दवित्व व्यंजन बनता है जैसे कच्चा, पक्का ।

   ग- जब किसी स्वर का उच्चारण करते हुए वायु नाक से बाहर निकले तो अनुस्वार व्यंजन का उच्चारण होता है। जैसे रंग, तंग परन्तु जब किसी स्वर का उच्चारण करते समय वायु मुँह, नाक से निकले तो अनुनासिक व्यंजन का उच्चारण होता है। जैसे कुआँ, धुआँ

   घ- अंत:स्थव्यंजन चार है- य,र,ल,व।

2. क- वर्णमाला ख- दवित्व व्यंजन ग- व्यंजन घ- वर्ण-विच्छेद
   ड- संयुक्त

3. क- वर्ण ख- अनुस्वार ग- स्वरों पर आश्रित

4. क- श+र+ब+त ख- आ+द+र ग- श+इ+क्ष+आ
   घ- भ+क+इ+त

5. क- लंगर ख- मांग ग-महंगा घ- संग
   ड-चाँद च- अँधा

6. क- ता ख- ला ग-पे घ- माँ
   ड-कि च- वी

7. Do it yourself.

8. Do it yourself.

Ch-3 (शब्द विचार)

क- वर्णो का सार्थक मेल 'शब्द' कहलाता है।

ख- शब्द को दो आधार पर वर्गीकृत किया जाता है- सार्थक और निरर्थक ।

ग- जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनते है वह योगिक शब्द कहलाते है। इसके अलावा वे शब्द जो किसी विशेष अर्थ को दर्शाते है वह योगरूढ़ शब्द कहलाते है।

1. क- उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के चार भेद होते है- तत्सम, तद्भव,देशज और विदेशी।

ख- ऐसे शब्द जिन्हे संस्कृत भाषा कि बजाए किसी अन्य भाषा से लिया गया है वह देशज शब्द कहलाते है ।

ग- अर्थ के आधार पर शब्द के दो भेद होते है- सार्थक और निरर्थक।

घ- वे शब्द जिनमें लिंग,वचन,कारक के अनुसार परिवर्तन होता है वह विकारी शब्द कहलाते है, परन्तु जिन शब्दों में लिंग,वचन,कारक के अनुसार परिवर्तन नहीं होता है वह अविकारी शब्द कहलाते है।

2. क-तत्भव ख- वकील ग-हस्त

3. क- विद्यालय, चायवाला (योगिक) दशानन, गजानन (योगरूढ़)

   ख- हस्त,घृत (तत्सम) पत्ता,पंछी (तत्भव)

4. सेनापति, राजकुमार,नीलकंठ,चिड़ियाघर

5. Do it yourself.

6. संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया,विशेषण

7. क्रियाविषयशं, विस्मयादिबोधक, सम्बन्धबोधक, समुच्यबोधक, निपात

Ch-4 (वाक्य)

क-शब्दों के संयोजक एवं व्यवस्थित क्रमबद्ध रूप को वाक्य कहते है।

ख- संकेतवाचक वाक्य का उदहारण है ।

ग- लगता है कोई खड़ा है।

1. क-शब्दों के संयोजक एवं व्यवस्थित क्रमबद्ध रूप को वाक्य कहते है।

   जैसे- हम कल दिल्ली जायेंगे।

   ख- रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते है- सरल, संयुक्त और मिश्र।

   यह मेरी किताब है। (सरल वाक्य)

   मीरा खानबना रही है और सुधीर सफ़ाई कर रहा है। (संयुक्त वाक्य)

   वह आएगा तो मैं जाऊंगालगता है कोई खड़ा है। (मिश्र वाक्य)

2. क- अनुष्का (उदेश्य) सब्ज़ी बेच रही (विधेय)

   ख- बन्दर(उदेश्य) कूद रहा है(विधेय)

   ग- ऊँट(उदेश्य) सारा पानी (विधेय)

   घ- मुकुल(उदेश्य) पतंग उड़ा रहा है(विधेय)

   ड-राधिका (उदेश्य) मधुर गीत गा रही है (विधेय)

3. क- सरल वाक्य ख- संयुक्त वाक्य ग- संयुक्त वाक्य
घ-मिश्र वाक्य
4. क- विस्मयवाचक ख- प्रश्नवाचक ग- निषेधवाचक
घ-संकेतवाचक
5. क- विधानवाचक ख- आज्ञार्थक ग- निषेधवाचक
घ-विस्मयवाचक ङ-इच्छावाचक
6. क- आज्ञावाचक ख- संदेहवाचक ग- विस्मयसूचक
घ-प्रश्नवाचक ङ-निषेधवाचक
7. Do it yourself.
8. Do it yourself.

Ch-5 (संज्ञा)

क-वे शब्द जो किसी वस्तु,व्यक्ति,स्थान आदि का बोध करवाए संज्ञा कहलाते है।

ख- भाववाचक संज्ञा से संज्ञा के भावों का पता चलता है।

ग- ताजमहल, महात्मागांधी, सैनिक, गाय इतियादी।

1. क- संज्ञा के तीन भेद होते है- व्यक्तिवाचक,जातिवाचक,भाववाचक।
ख- वे शब्द जिनसे संज्ञा की किसी जाति का बोध हो जातिवाचक संज्ञा कहलाती है जैसे नदिया, पुलिस ।
ग- मित्रता,बुढ़ापा,मातृत्व
2. क- सही ख- सही ग- गलत घ-गलत
3. क- सम्मान ख- सुंदरता ग- मुस्कराहट घ- शरारती
4. फैलाना,भक्ति,व्यक्तित्व,पुरुषार्थ,मित्रता,मधुरता,कविता,हिंसात्मकता,मठास,अपनापन,निजत्व,परायापन
5. व्यक्तिवाचक- ताजमहल , महात्मागांधी
जातिवाचक- सैनिक, पुलिस
भाववाचक- मित्रता,बुढ़ापा
6. व्यक्तिवाचक- प्रेमचंद,रानी लक्ष्मीबाई,कृष्ण
जातिवाचक-हिरन,नींद,डाकू,बचपन
भाववाचकप्रसन्ता,मित्र,शांति,चतुराई ।
7. Do it yourself.
8. क-बुधीचन्द ख- बुधीचन्द ग- लक्ष्मीचंद घ- धूर्तता

Ch-6 (लिंग)

क- संज्ञा के जिस रूप से उसके पुरुष एवं स्त्री जाति के होने का पता चले उसे लिंग कहते है।

ख- मंगलवार, एवरेस्ट,हिन्द महासागर

(पुल्लिंग) चांदी, गंगा,मक्खी

(स्त्रीलिंग) के शब्द है।

ग- राष्ट्रपति, डॉक्टर

1. क- आचार्या जी गुरुकुल में पढ़ा रही है।
ख- बहन ने अपने भाई को उपहार दिया।

ग- पंडिताइन जी पूजा की तयारी कर रही है।
घ- मुर्ख स्त्री का सभी बहिष्कार करते हैं।
ड- अभिनेता ने नाटक में अच्छा अभिनय किया।
च- धोबी कपड़े धो रहा है।

2. क- स्त्रीलिंग ख- स्त्रीलिंग ग- स्त्रीलिंग, घ- स्त्रीलिंग, ड- पुल्लिंग, च- पुल्लिंग, छ- पुल्लिंग, ज- पुल्लिंग
3. क- नर ख- मादा ग- नर, घ- मादा, ड-नर, च- मादा, छ- नर, ज- मादा
4. मकड़ी जाला बुन रही है। हलवाई मिठाई बना रहा है।
5. Do it yourself.

Ch-7 (वचन)

क- जो शब्द संख्या का बोध करवाए उन्हें वचन कहते है।
ख- वचन दो होते है।
ग- आदर देने के लिए बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।

1. क- कविता ख-घंटों ग-घड़ों घ- मादा, ड- चूड़ियाँ, च- माँ
2. एकवचन- आँसू, परदा, गाथा, गेंद, धोती
   बहुवचन- झीलें, कन्याएं, बिजलियाँ, भक्तगण, पाठकगण
3. भाले, नेता, युवाओं, चूहें, दर्शकों, सीटियां, छात्रवृन्द, ढूढ़, चुहियाँ
4. क-मंदिर में घंटियाँ बज रही हैं। ख- मैं तीन चपातियां खाऊंगा। ग- हमारी छुट्टियां समाप्त होने वाली है। घ- छत पर कपड़ें सूख रहे हैं।
5. Do it yourself.
6. Do it yourself.

Ch-8 (सर्वनाम)

क-संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
ख- ऐसे सर्वनाम शब्द जो किसी निश्चित वस्तु या प्राणी का बोध करवाए तो उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।

1. (क) क- वे सर्वनाम शब्द जिन्हे किसी वस्तु या प्राणी को बुलाने या बोलने के लिए प्रयोग किया जाता है वह पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते है।
   ख- ऐसे सर्वनाम शब्द जो किसी निश्चित वस्तु या प्राणी का बोध करवाए तो उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।
   ग- ऐसे सर्वनाम शब्द जो किसी अनिश्चित वस्तु,प्राणी का बोध करवाए उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।।
   घ- ऐसे सर्वनाम शब्द जिन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किया जाता है उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते है।
   ड- ऐसे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग संज्ञा अथवा सर्वनाम को जोड़ने के लिए किया जाता है उन्हें सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते है।

च- ऐसे सर्वनाम शब्द जिन्हे स्वयं के लिए प्रयोग किया जाता है उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते है।

ख- उत्तम पुरुष (बात करने वाला-हम, मैं) माध्यम पुरुष (बात सुनने वाला- तू, तुम) अन्य पुरुष (अन्य लोग- वे,वो)।

2. क- गलत ख- सही ग-गलत घ- गलत

3. क- निजवाचक सर्वनाम ख- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
ग- निजवाचक सर्वनाम घ- प्रश्नवाचक सर्वनाम

4. क- मुझको ख- उन्होंने ग- हम घ- तुम्हारे

5. क- हम कल दिल्ली आएंगे। ख- वह कल अवश्य आएगा।
ग- मैं अपना काम स्वयं कर लूँगी।

6. स्वयं, वह, वह, उनका, जहाँ, उनके, वे, यह, उसने, उन्होंने

Ch-9 (विशेषण)

क- वे शब्द जो संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषताएँ बताये।

ख- विशेषण के चार भेद होते है- गुणवाचक, संख्यावाचक,सार्वनामिक और परिमाणवाचक विशेषण

ग- वह,यह शब्द जब संज्ञा से पहले आकर विशेषता बताते तो उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते है।

1. क- वे शब्द जिनमें वस्तु,प्राणी,व्यक्ति को हम गिन सके उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते है। इसके दो भेद है- निश्चित संख्यावाचक विशेषण और अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण।
(a) निश्चित संख्यावाचक विशेषण- उन चार लोगो के हाथ में पीले झंडे है।
(b)अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण - वहाँ बहुत से लोग खड़े है।
ख- वे शब्द जिनमें वस्तु,प्राणी,व्यक्ति को हम गिन सके उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैजैसे बगीचें में तीन कुर्सियां रखी हैं।
वे शब्द जिनसे किसी वस्तु की मात्रा या माप-तोल का बोध हो उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते है।
ग- वह,यह शब्द जब संज्ञा से पहले आकर विशेषता बताते तो उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते है जैसे यह लाल कर राधा की है।

2. क- बच्चे ख- स्वास्थ्यवर्धक ग- इस घ- बुद्धिमान ड- बीस मीटर

3 क- गुणवाचक- चतुर,प्रथम,मोटा,रंगीन संख्यावाचक- अनेक,कुछ,थोड़ा सा परिमाणवाचक- पांच किलो,पूर्वी, दस मीटर सार्वनामिक- इस,वह

4. कपडा, व्यक्ति,महल, बगीचा, ऋतु,लड़का

5. क- बहादुर (गुणवाचक विशेषण)।
   ख- प्रथम (गुणवाचक विशेषण) ।
   ग- दो किलो (परिमाणवाचक विशेषण)।
   घ- वह(सार्वनामिक) ईमानदार (गुणवाचक)।
   ड- कुछ (संख्यावाचक)।
6. चालक,बईमान, मोटा, कुछ,अनेक, सहनशील, आठ, भयानक
7. क- विशेषण ख- चार ग- संज्ञा, सर्वनाम शब्दों की
8. Do it yourself.

Ch-10 (क्रिया)

क- किसी काम का होना या करना क्रिया कहलाता है।

ख- क्रिया के दो भेद होते है- अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया।

अकर्मक क्रिया - जिसमें कर्म शामिल न हो ,जैसे पक्षी उड़ रहे है। सकर्मक क्रिया -जिसमें कर्म शामिल हो जैसे राधा सितार बजा रही है।

ग- क्रिया के मूल रूप को धातु कहते है जैसे आ,जा,सो,देख,

1. क- हमें सदैव हँसते मुस्कुराते रहना चाहिए।
   ख- सभी बच्चों को पढ़ना लिखना आना चाहिए।
   ग- हमें परिश्रम करने से भागना नहीं चाहिए।
   घ- वह सो रहा है।
   ड- थोड़ा पानी पी लीजिये।
2. क- अकर्मक क्रिया ख- सकर्मक क्रिया ग-अकर्मक क्रिया
   घ- सकर्मक क्रिया
3. क- गलत ख- सही ग- गलत घ- गलत
4. क- सो रहा है ख- खेल चुकी है ग- कसरत कर रहे हैं
   घ- फिल्म देखने जा रही है ड- प्रथम आएगा
5. Do it yourself.
6. Do it yourself.

Ch-11 (काल और अव्यय)

क- क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय के पता चले उसे काल कहते है।

ख- काल के तीन भेद होते है- भूतकाल, वर्तमानकाल, भविष्यकाल।

ग- हम कल दिल्ली जायेंगे।

घ- जिन वाक्यों में लिंग,वचन,कारक के अनुसार कोई परिवर्तन नहीं होता उन्हें अविकारी शब्द कहते है।

ड- क्रियाविशेषण।

च- कालवाचक,परिमाणवाचक,स्थानवाचक,रीतिवाचक।

छ- किंतु, इसलिए

ज- परन्तु, और

झ- छी! - हाय!

1. क- काल ख- भूतकाल ग-वर्तमानकाल घ- भविषयकाल
2. क- अच्छा खेले (रीतिवाचक) ख- तेज़ दौड़ रहा है (रीतिवाचक)
   ग- अभी आएगा (स्थानवाचक) घ- भरी पड़ी है (परिणामवाचक)
   ड- इधर-उड़ाए (स्थानवाचक)
3. क- तरह ख-कि ओर ग- के घर घ-के मरे
4. क- प्रसन्न होते हैं ख-गाती है ग- उगता है
   घ- सो गया ड- उठता है च- जा रही है
5. क- घर के सामने वाली सड़क पर कोई खड़ा है।
   ख- माला सुरेश के साथ चली गयी।
   ग- काजल मनाली शहर से दूर रहती है।
   घ- वे दक्षिण दिशा की ओर जा रहे है।
   ड- उसने रूपए के बदले अपनी साईकिल बेच डाली।
6. क- पर ख-परन्तु ग- ताकि घ- परन्तु
7. क- नीचे बैठकर पढ़ रहा है। ख- जल्दी-जल्दी गृहकार्य कर रही है।
   ग- कल दिल्ली जाऊंगा । घ- अंदर बैठे है।
   ड- बहुत बोलता है।
8. क- सावधान! आगे नाला है।
   ख- शाबाश! तुमने न सिर्फ परिवार के बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है।
   ग- बाप रे! इतना गहरा कुआँ।
   घ- अरे! तुम कब आये ?
   ड- हाय! क्या से क्या हो गया उसके साथ।
9. इच्छा, ख़ुशी, आश्चर्य, चेतावनी
10 क- काल ख-तीन ग- कार्य चल रहा होता है
11. क- कछुआ धीरे-धीरे चलता है।
   ख- हमेशा दूसरों के सम्मान भी करें।
   ग- वह रोज़ सैर को जाता है।
   घ- माँ-बापूजी की तरफ़ से तुम्हे ढेर सा प्यार ओर आशीर्वाद।
   ड- सुबह की सैर अच्छी होती है। च- चीता तेज़ दौड़ता है।
12 क- संजय योगासन कर रहा है। ख- सुमंत बहुत सुन्दर मूर्तियां बनाएगा।
   ग- प्रीति सुंदर नृत्य कर रही है।
   घ- कल हम पुस्तक प्रदर्शनी देखने जायेंगे।
   ड- पांच दिसंबर को हमारा वार्षिकोत्सव था।

13. Do it yourself.
14. Do it yourself.

Ch-12 (कारक)

क- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका सम्बन्ध वाक्य के दूसरे शब्दों से पता चले उसे कारक कहते है।

ख- करता,कर्म,करण, सम्प्दान,अपादान,सम्बन्ध, अधिकरण,सम्बोधन।

1. क- कारक संज्ञा सर्वनाम के शब्दों को जोड़ने के कार्य करता है यदि वाक्य में कारक चिन्ह न जोड़े जाये तो वाक्य के अर्थ स्पष्ट नहीं होता। जैसे नेहा चित्र बनाया/नेहा ने चित्र बनाया।
   ख- रोहन के घर सुंदर है। मीणा ने राम के लिए खाना बनाया। सुधा बाजार से सारा सामान ले आयी है
2. क- स्कूल में बच्चों को किताबें बांटी गयी।
   ख- तालाब में बहुत सी मछलियां है।
   ग- भगवन के लिए फूलों की माला लेकर आओ।
   घ- बहेलिये ने पक्षियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया।
3. क-पर ख- ने ग- के घ- में
4. क-हे! अरे! ख- के लिए ग- से घ- ने ड-को
5. करण कारक में जहाँ पर 'से' का प्रयोग साधन के लिए होता है, वहीं पर अपादान कारक में अलग होने के लिए किया जाता है।
6. ने, को, की, से, को, में, को

Ch-13 (शब्द भंडार)

क- समान अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते है।

ख- नहीं।

1. क-भागीरथी के पानी को पियूष के समान माना जाता है।
   ख-सारा जगत ईश्वर ने बने है।
   ग- सिंह रात्रि में दहाड़ता है।
   घ- हमें धरा पर पेड़ लगाने चाहिए।
   ड- सदन में सृप देखकर मेरा दोस्त डर गया।
2. पुत्री,बेटी,सुता,लड़की नयन,नेत्र,चक्षु, अतिथि,पहना,आगंतुक अंधकार,तिमिर,तम, गज,हस्ती,करी

क- शब्द के विपरीत या उल्टा अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते है।

ख- शब्दानुसार ही विलोम बनाये जाते है न की सिर्फ उल्टा अर्थ देकर।

1- पताल, निराकार, दुर्गम, अनुज, परतंत्र, अजय, अंधकार,सज्जन

2- क- पराधीन ख- पताल, ग- निरादर घ- पश्चिम,अस्त ङ- भक्षक,नीचा

क- वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग किये जाने वाले शब्दों को 'एक शब्द के लिए अनेक शब्द कहते है।

ख- जो पढ़ता हो, जहाँ पुस्तकें रखी जाती है।

1- क- चतुर्भुज ख- आस्तिक ग- अद्वितीय घ- अर्धमासिक

2- क- जो काम से जी चुराए। ख- जिसे ईश्वर पर विश्वास न हो।

ग- जो आज्ञा का पालन करें। घ- जहाँ पुस्तकें रखी जाति हो ।

ङ- सप्ताह में होने वाला । च- जिसे भय न हो।

क- वह शब्द जो सुनने में एक समान लगे परन्तु उनके अर्थ में भिन्नता हो उन्हें श्रुतिसम भिनार्थक शब्द कहते है।

ख- शोक (दुःख) शौक (रूचि)।

1. क- दीन ख- पत्नी ग- आसमान घ- शौक ङ- समान
2. क- सरकारी कोष में जनता के कर को जमा किया जाता है।

हमें अच्छी किताबों का कोश करना चाहिए।

ख- हमें सदैव अच्छे कर्म करने चाहिए।

वर्ण के व्यवस्थित क्रम को वर्णमाला कहते है।

ग- वह एक आज्ञाकारी सुत है।

रेशम के सूत की साड़ी मुझे पसंद है।

घ- हिमालय पर्वत उतर दिशा में है।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क- जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते है उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते है।

ख- (a) किनारा, बाण - (b) मतलब,धन।

1-क- सेब के चार भाग कर दो।

दस को पांच से भाग कीजिये।

ख- वह हमारे हिंदी विषय के गुरु है।

हाथी का गुरु अन्य जानवरों से अधिक होता है।

ग- वह गणित में जड़ मात्र है।

पेड़-पौधों की जड़ का स्वस्थ होना आवश्यक है।

2. क- एक फल, सामान्य ख- चिट्ठी, पत्ता

Ch-14 (शब्द भंडार)

क- जब वाक्य को बोलते या लिखते समय कुछ समय के लिए रुकना पड़ता है ताकि भाषा प्रभावपूर्ण ओर स्पष्ट एवं अर्थवान बन पाए। लिखित भाषा में इस ठहराव को दिखने के लिए कुछ विशेष प्रकार के चिन्हों का प्रयोग किया जाता है उन्हें विराम-चिन्ह कहते है।

ख- किसी के नाम को उभरने के लिए इकहरे उद्धरण चिन्ह का प्रयोग किया जाता है जैसे 'महात्मा गाँधी'। जबकि दोहरे उद्धरण चिन्ह का प्रयोग किसी की कहीं गयी बात को ज्यों का त्यों बताने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसमें कोई भी परिवर्तन नहीं किया जा सकता। जैसे सुभाष चन्दर बोस ने कहा था- "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आज़ादी दूंगा"।

1. क- ध्रुव,दामिनी,यशस्वी और यामिनी चिड़ियाघर घूमने गए।
   ख- छी!छी! कितनी मक्खियां भिनक रही है।
   ग- ओह! आज भीषण गर्मी है।
2. क- (०) ख- (?) ग-(!) घ- (,) ड- (।) छ-(;)
3. क- डॉ० साहब के आते ही रोगियों की कतार लग गयी।
   ख- छी!छी! कितनी मक्खियां भिनक रही है।
   ग- काजल,मीणा, सौरभ आज फिल्म देखने गए है।
   घ- हिमालय पर्वत उतर दिशा में है।
4. क- (;) ख-(।) ग-(-)
5. Do it yourself.
6. 'महात्मा बुध' मुस्कुराए और मधुर स्वर में बोले,"मैं तो ठहर गया,भला तू कब ठहरेगा।" अंगुलिमाल ठग सा रह गया। उसने भगवान बुद्ध की तरफ़ देखा। महात्मा बुद्ध के चेहरे पर दृढ़ विश्वास था, बड़ी शांति थी। उनकी आंखों में करुणा थी। अंगुलिमाल जिन लोगो को रोकता था, वह थर-थर कापते थे। उन्हें सताने में उसे बड़ा मजा आता था। लेकिन ये दुबला-पतला सन्यासी तो उससे बिल्कुल नहीं डरता था। वह बोला, हे सन्यासी! तुझे बिल्कुल डर नहीं लगता। देखो! मैंने कितने लोगो को मार कर अँगुलियों की माला बनाई है। अगर मैं चाहूँ, तो तुम्हें.......

Ch-15 (मुहावरे एंव लोकोक्तियाँ)

क- जब कोई वाक्यांश सामान्य अर्थ न देकर विशेष अर्थ प्रकट करे तो उसे मुहावरा कहते है।

ख- मुहावरे के प्रयोग से भाषा में स्थिरता, प्रवाह, रोचकता, सरलता, चमत्कार, मर्मस्पर्शी एवं भाषा जीवंत हो जाती है।

ग- लोगो द्वारा प्रचलित कथन को लोकोक्ति कहते है।

घ- मुहावरें वाक्यांश को विशेष अर्थ देते है जबकि लोकोक्ति विशेष अर्थ न देकर लोगो द्वारा उक्ति होती है।

1. क- पैसों की बारिश हो रही है   ख- का सांप   ग- उल्लू सीधा करता
   घ- तीर से दो शिकार
2. क- धोखा देना - आजकल हर कोई व्यक्ति चकमा देने की फ़िराक में रहता है।
   ख- चालाकी में आगे होना- रामू उम्र में छोटा जरूर है लेकिन चालाकी में बड़े बड़ों के कान काटता है।
   ग- विश्वासघाती मित्र - राजनीतिक मे हर कोई आस्तीन का साँप है किसी पर भी भरोसा नही किया जा सकता।
   घ- दर-दर भटकना - सीता की एक सोने की रिंग गुम हो गई बेचारी रात दिन खाक छानती रही लेकिन उसे अभी तक सोने का रिंग नहीं मिला।
   ड- जानबूझकर मुसीबत मोल लेना- रणजीत हर किसी के लिए आग मे कूदने को तैयार रहता है।
3. क-प्रतीक्षा करना   ख- नींदा करना   ग- चुगली करना
   घ- भड़काना   ड- एक मात्र सहारा
4. क-साँच को आंच नहीं होती।   ख- कंगाली में आटा गीला।
   ग- नांच न जाने आँगन टेढ़ा।   घ- खोदा पहाड़ निकली चुहिया।
5. क-अपनी कमी छुपाने के बहाने खोजना
   ख- शक्तिशाली का बोलबाला   ग- बात का बतंगड़ बनाना
   घ- घर की फूट विनाश का कारण   ड- मेहनत अधिक लाभ काम
6. मुहावरें वाक्यांश को विशेष अर्थ देते है जबकि लकोक्ति विशेष अर्थ न देकर लोगो द्वारा उक्ति होती है।
7. क-विद्यालय से गायब होने पर पिता जी को बुलाने की बात सुनते ही कमल का चेहरा फीका पड़ गया। उसकी स्थिति चोर की दाढ़ी में तिनके के समान हो गई।

   ख- अरे भाई, सौ रुपये का ऑटो करके ग्रांड माल में खरीदारी करने गये, लेकिन हमें तो उँची दुकान फीका पकवान जैसा ही लगा। उससे अच्छा तो हम अपने मोहल्ले के बाज़ार से खरीदारी कार लेते।

ग- सेठ जो काम चाहता है गांव वाले वही करते है, आखिर जिसकी लाठी उसकी भैंस।

घ- सोहन के पिताजी पहले से ही बीमार थे और आखिर आर्थिक तंगी चल रही थी और दूसरी ओर बच्चों की पढ़ाई का भी खर्च लगातार बढ़ती जा रहा था इसे कहते हैं कंगाली में आटा गीला होना।

Ch-16 (अपठित गद्यांश)

क-

क- खिलाडी गेंद फेककर बल्लेबाज़ जो आउट करने का प्रयत्न करते है।

ख- क्रिकेट में दो टीम खेलती है।

ग- विराट कोहली और सुरेश रैना।

ख-

क- वर्षा ऋतू में मेंढक टर्राने लगते है।

ख- वर्षा ऋतू को ऋतुओं की रानी कहा जाता है।

ग- धान, मक्की, बाजरा ।

1. **Chapter 17**

Do it yourself.

Chapter 18

Do it yourself.

Chapter 19

Do it yourself.

Chapter 20

Do it yourself.

Ch-21 (अशुद्धि शोधन)

क- वाक्य सम्बन्धी अशुद्धियाँ लिंग,वचन, कारक आदि आधार पर होती है।

ख- वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ बोलते और लिखते समय होती है।

1. क- दुश्मन, त्योहार, विशेष
2. क- आयु, श्रीमती, कविताएँ
3. क- संयम नए खिलौने लाया है।
   ख- सम्राट को भूख लगी है।
   ग- हम कल सर्कस देखने जायेंगे।
4. Do it yourself.
5. Do it yourself.

Chapter 22 - Do it yourself.

Chapter 23 - Do it yourself.

(अभ्यास प्रश्न पत्र.1)

1. क- वर्णों के व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध रूप को वर्णमाला कहते है।
   ख- वे शब्द जिन्हे हिंदी में संस्कृत भाषा से लिया गया है तत्सम शब्द कहलाते है, जबकि हिंदी भाषा के शब्द तद्भव शब्द होते है।
   ग- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका सम्बन्ध वाक्य के दूसरे शब्दों से पता चले उसे कारक कहते है।
   घ- किसी काम का होना या करना क्रिया कहलाता है। क्रिया के दो भेद होते है- अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया।
   शब्दों का व्यवस्थित,सार्थक एवं क्रमबद्ध रूप वाक्य कहलाता है वाक्य तीन प्रकार के होते है- सरल,संयुक्त और मिश्र वाक्य
2. क- गलत   ख- सही   ग- गलत   घ-सही
   ड-सही   च-सही   छ- सही   ज-सही
3. क- वर्णमाला   ख- 11,35   ग- सार्थक,निरर्थक
   घ-वचन   ड-बहुवचन
4. क- प्राचीन   ख- तीन विद्यार्थी   ग- कुछ   घ-दुब घास
5. क-मनीष९उदेश्य) बिस्कुट(विधेय)   ख- चपरासी(उदेश्य) रजिस्टर(विधेय)
   ग- नौकर(उदेशय) कार(विधेय)   घ-कृषक(उदेशय) फसल(विधेय)
6. क-वह   ख- मेरी   ग- उसने   घ- वो
7. क-ताजमहल   ख- हिमालय   ग- सच्चाई   घ-सोना
   ड-गंगा
8. (i) वे शब्द जिनमें लिंग,वचन,कारक अनुसार वाक्यांश में परिवर्तन नहीं होता वह अविकारी शब्द है, जबकि विकारी शब्दों में लिंग,वचन,कारक अनुसार परिवर्तन होता है।
   (ii) वे शब्द जिन्हे हिंदी में संस्कृत भाषा से लिया गया है तत्सम शब्द कहलाते है, जबकि हिंदी भाषा के शब्द तद्भव शब्द होते है।
9. अविकारी शब्दों के पांच भेद होते है-
   क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक,सम्बन्धबोधक,विस्मयबोधक,निपात
10. पांच

(अभ्यास प्रश्न पत्र.2)

1. क- वे शब्द जो सुनने में एक समान लगते है परन्तु अर्थ में अलग होते है उन्हें श्रमश्रुतिभिनार्थक शब्द कहते है।
   ख- वे शब्द जिनके एक से अधिक अर्थ निकलते है उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते है।
   ग- विराम चिन्ह का अर्थ है रुकना। विराम चिन्हों का प्रयोग इसलिए किया जाता है क्यूंकि भाषा को लिखते और बोलते समय स्पष्टा और प्रभावपूर्ण बनी रही।

2. क- हमें हर व्यक्ति को एक समान समझना चाहिए। यह सामान किसका है?

ख- तुम किस दिन जाओगे? वह बहुत दीन-हीन इंसान है।

ग- सभी स्त्रियों का समान करना चाहिए। ये इस्त्री लोह धातु से निर्मित है।

घ- राम काज के लिए वानरों,भालूओं आदि की सेना ने भाग लिया। वह आदी आजकल घर जाता है।

ङ- भारत में जनता का राज है। उसके हृदय में बहुत से राज़ है।

3. क-दिशा, प्रश्न का उत्तर

ख- खाने वाला फल, परिणाम का फल

ग- दूल्हा, तपस्या से प्राप्त वरदान

घ-बाण, किनारा

ङ-नयन, बेटा

4. क- गाँधी जी ने कहाँ "करो या मरो।"

ख- संजय तुम कहाँ जा रहे हो?

ग- काम करते रहना ही जीवन है, आलस्य तो रोग है।

घ- अरे! यह क्या हो गया?

ङ- छी! छी! कितनी मक्खियाँ भिनक रही हैं।

5. क- कभी-कभी दिखाई देना- चुनाव हो जाने के बाद सभी नेता ईद के चाँद बन जाते हैं।"

ख- एकमात्र सहारा- श्रवण कुमार अपने माता-पिता के लिए अंधे की लाठी समान था।

ग- एक चीज़ के बहुत से चाहने वाले- रमेश जहाँ कप्म्यूटर सीखने जाता है वह एक ही कंप्यूटर है और सीखने वाले दस लोग। यह तो वही बात हुई, एक अनार सौ बीमार।

घ- भेद खुलना- अरे! मेरे सारे राज़ों की कलाई कैसे खुल गयी? यह कैसे हो गया?

ङ- अत्यंत मूर्ख व्यक्ति- सोहन तो अकल का दुश्मन है इतना भी नहीं जनता कि राजनीति में भाईचारे का कोई स्थान नहीं होता।

6. क- वायु ख- दीपावली ग- पारिश्रमिक घ-अध्ययन
ङ- आशीर्वाद च-खुशबू

7. Do it yourself.

8. Do it yourself.

9. Do it yourself.